एक नजर में

उद्यानिकी महाविद्यालय की एनएसएस इकाई द्वारा 'प्राकृतिक खेती खुशहाल जीवन' थीम पर आयोजित सात दिवसीय शिविर का हुआ समापन

मन्दसौर। उद्यानिकी महाविद्यालय, मंदसौर के अंतर्गत एनएसएस इकाई का ग्राम मोहम्मदपूरा (मैनपुरिया) के पंचायत भवन में आयोजित सात दिवसीय विशेष शिविर का समापन हुआ। इस शिविर की थीम 'प्राकृतिक खेती खुशहाल जीवन' थी। अंतिम दिवस छात्र स्वयंसेवकों के समग्र विकास और आत्मविश्वास को बढ़ाने के उद्देश्य से व्यक्तित्व विकास पर एक विशेष सत्र सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में एनएसएस स्वयंसेवकों, संकाय सदस्यों तथा आमंत्रित विशेषज्ञों की सक्रिय भागीदारी देखने को मिली। आज के मुख्य अतिथि डॉ. के. आर. सूर्यवंशी थे। उन्होंने व्यक्तित्व विकास के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि यह व्यक्ति के चरित्र, संचार कौशल और नेतृत्व क्षमता को निखारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। डॉ. जी. एस. चुंडावत ने आत्मविश्वास, सकारात्मक सोच, समय प्रबंधन और प्रभावी संचार को व्यक्तिगत और व्यावसायिक सफलता के लिए आवश्यक गुण बताया। डॉ. प्रियमवदा सोनकर ने स्वयंसेवकों की लगन और अनुशासन की सराहना की तथा उन्हें प्रेरित किया कि वे शिविर में सीखे गए मूल्यों को अपने दैनिक जीवन में अपनाएं। डॉ. रोशन गलानी ने बताया कि इस प्रकार की गतिविधियां छात्रों को मंच भय (स्टेज फियर) को दूर करने और अपने विचारों को आत्मविश्वास के साथ व्यक्त करने में मदद करती हैं। डॉ. बी. के. कचौली ने अनुशासन, टीमवर्क और सामाजिक उत्तरदायित्व के महत्व को बताया, जो एनएसएस के मूल मूल्य हैं। डॉ. अनुज कुमार ने छात्रों को प्रेरित किया कि वे एक मजबूत व्यक्तित्व का विकास करें, जो न केवल उनके व्यक्तिगत विकास में सहायक हो, बल्कि समाज के उत्थान में भी योगदान दे। यह कार्यक्रम उद्यानिकी महाविद्यालय, मंदसौर के अधिष्ठाता डॉ. दीपक हरि रानडे के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी श्री प्रदीप तुरुकमाने ने बताया कि यह शिविर न केवल सामुदायिक जुड़ाव को मजबूत करता है, बल्कि छात्रों के व्यक्तित्व और चरित्र निर्माण पर भी स्थायी प्रभाव छोड़ता है। अंत में, प्रतिभागियों ने अपने अनुभव और प्रतिक्रिया साझा की तथा प्राप्त महत्वपूर्ण ज्ञान के लिए आभार व्यक्त किया। धन्यवाद ज्ञापन के साथ शिविर का समापन हुआ, जिसमें आयोजकों, समन्वयकों और स्वयंसेवकों के प्रयासों की सराहना की गई, जिन्होंने इस कार्यक्रम को सफल बनाया।

'आंवला के पुराने एवं अनुत्पादक बाग का जीर्णोद्धार'

मंदसौर। भारत में आंवले का अपना एक अलग ही इतिहास है। यह प्राचीन काल से भारतीय संस्कृति में धार्मिक रूप से पवित्रफल एवं आयुर्वेद में 'अमृत फल' के रूप माना जाता रहा है। आंवला एक महत्वपूर्ण पोषण युक्त फल है, विशेषतय: विटामिन 'सी' का सर्वोत्तम प्राकृतिक स्त्रोत है, जोकि रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाता है। आंवला की गुणवत्ता एवं उपयोगिता को देखते हुए किसान इनके बाग लगाकर आर्थिक लाभ लेते है। परन्तु 15-20 वर्ष बाद बग़ीचे में आंवला फल की गुणवत्ता शनै: शनै: (धीरे धीरे) कम होने लगती है तथ पूर्णरूप से किसान आर्थिक लाभ नहीं ले पाता है। ऐसी स्थिति में आंवले के बगीचों को निर्मूल करना भी आर्थिक दृष्टि से उपयुक्त नहीं है। इसी प्रकार की समस्या उद्यानिकी महाविद्यालय के अनुदेशात्मक सह अनुसंधान उद्यान के परिक्षेत्र में लगभग 24 वर्ष पुराने आंवला के वृक्षों में देखा गया। जो आर्थिक दृष्टि से उपुयक्त नहीं है। इन सब परिस्थितियों को देखते हुए, डॉ दीपक हरी रानडे, अधिष्ठाता, उद्यानिकी महाविद्यालय, मंदसौर के निर्देशानुसार कम उत्पादक एवं पुराने आंवलों के वृक्षों को जीर्णोद्धार के उद्देश्य से जनवरी-फरवरी, 2026 में फल विज्ञान विभाग द्वारा डॉ आर एन कानपुरे, डॉ प्रियंवदा सोनकर तथा डॉ पी. के. एस गुर्जर के देखरेख में जीर्णोद्धार का कार्य प्रारम्भ किया गया। जिसमें वृक्षों को भूमि की सतह से 02 मीटर की ऊंचाई से तने एवं शाखाओं को काटा गया (हैडिंग बैक) तथा थाला बनाकर आवश्यक सिंचाई एवं पोषक प्रबंधन कर पौध संरक्षण के उपाय किये गए। वर्तमान में जीर्णोद्धार किये गए वृक्षों में नए प्ररोह निकलना शुरू हो गए है तथा जून-सितम्बर तक उन नवीन प्ररोहों पर उन्नतशील प्रजातियों का कलिकायन किया जावेगा, जिससे वे सभी अनुत्पादक वृक्षों को उन्नत प्रजातियों के उत्पादक वृक्षों में परिवर्तित किया जा सके।

टीईटी संघर्ष मोर्चा ने उपमुख्यमंत्री को सौंपा ज्ञापन

मंदसौर। मध्यप्रदेश में दशकों से शिक्षा के क्षेत्र में अपनी सेवाएँ दे रहे शिक्षक संवर्ग के भविष्य को सुरक्षित करने और टीईटी (शिक्षक पात्रता परीक्षा) की अनिवार्यता से मुक्ति दिलाने के उद्देश्य से टीईटी संघर्ष मोर्चा जिला मंदसौर द्वारा प्रदेश के उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा को एक ज्ञापन सौंपा गया। इस ज्ञापन के माध्यम से शिक्षकों ने राज्य सरकार से मांग की है कि पुराने और अनुभवी शिक्षकों पर पात्रता परीक्षा थोपना न्यायोचित नहीं है, अत: सरकार इस विषय पर माननीय सर्वोच्च न्यायालय में पुनर्विचार याचिका दायर करे।

ज्ञापन में उल्लेख किया गया कि प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने में इन शिक्षकों का पिछले 25 से 30 वर्षों का अतुलनीय योगदान रहा है। इन शिक्षकों की नियुक्तियां तत्कालीन वैधानिक नियमों और अर्हताओं के आधार पर ही की गई थीं, किंतु अब उन पर नई पात्रता शर्तें लागू करने से उनके मन में असुरक्षा और चिंता का भाव पैदा हो गया है। संघर्ष मोर्चा ने तर्क दिया कि

जब अन्य राज्यों ने अपने शिक्षकों के हितों की रक्षा के लिए सर्वोच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है, तो मध्यप्रदेश शासन को भी इसी दिशा में ठोस कदम उठाने चाहिए। इसके साथ ही प्रधानमंत्री से भी यह निवेदन करने का आग्रह किया गया कि आरटीई 2009 लागू होने से पूर्व नियुक्त समस्त शिक्षकों को इस परीक्षा की अनिवार्यता से मुक्त रखा जाए।

इस अवसर पर टीईटी कोर कमेटी जिला मंदसौर के प्रमुख सदस्य गजराज सिंह सिसोदिया, रोहित सिंह चौहान, दुर्गेश शर्मा, पी एल सूर्यवंशी, सुरेश भैंसावल, चंद्रप्रकाश जैन, अनिल सांखला, हेमंत सुथार, सुरेश कौशिक, वाहिद खान, माया जैन, विमल वाणी दुबे, दीनदयाल सिंह शक्तावत, रामचंद्र डांगी, दशरथ सिंह परमार, भीमसेन वाधवा और यशवंत चंदेल उपस्थित रहे। इनके साथ ही ब्लॉक कोर कमेटी के प्रहलाद खटोड़, गोपाल सिंह आंजना, दिनेश पाठक, राजेंद्रसिंह भाटी, मनोज साखी, दीनदयाल बैरागी, मोहम्मद इलियास अंसारी, सत्यनारायण सोनी, कृपाल सिंह सिसोदिया, जितेन्द्र ठाकुर, शांतिलाल दर्डिंग, बद्रीलाल किटकर और वीरेंद्र लोहार सहित समस्त टीईटी पीड़ित अध्यापक शिक्षक संवर्ग ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराते हुए शासन से न्यायपूर्ण निर्णय लेने की अपील की।

मन्दसौर में हनुमान जन्मोत्सव की धूम

▶ 151 ढोल और 251 दीपकों से होगी श्री बड़े बालाजी की भव्य महाआरती

मन्दसौर। आस्था के प्रमुख केंद्र बस स्टैंड स्थित श्री बड़े बालाजी मंदिर पर इस वर्ष भी हनुमान जन्मोत्सव का पर्व अभूतपूर्व भव्यता और हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। 28 मार्च से आरंभ होकर 19 अप्रैल तक चलने वाले इस त्रि-साप्ताहिक धार्मिक अनुष्ठान के दौरान भक्ति, शक्ति और साहित्य की अनुपम त्रिवेणी प्रवाहित होगी।

आयोजन के मुख्य आकर्षण के रूप में आगामी 18 अप्रैल को अखिल भारतीय कवि सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा, जिसमें साहित्य जगत की विशिष्ट विभूति स्वर्गीय श्री रामनारायण शर्मा की स्मृति में प्रतिष्ठित 'काव्य अलंकरण सम्मान' प्रदान किया जाएगा। मंदिर समिति के अध्यक्ष पं. दिलीप शर्मा एवं प्रवक्ता रवि ग्वाला ने कार्यक्रमों की विस्तृत रूपरेखा साझा करते हुए बताया कि इस वर्ष का 'पंडित रामनारायण काव्यालंकरण सम्मान' देवास के सुप्रसिद्ध कवि श्री शशिकांत यादव को अर्पित किया जाएगा।

उत्सव का विधिवत शुभारंभ 29 मार्च, रविवार को दोपहर 12 बजे उज्जैन के प्रसिद्ध हरिभक्त मंडल द्वारा प्रस्तुत संगीतमय सुंदरकांड के साथ होगा। इसके पश्चात 2 अप्रैल, गुरुवार को हनुमान जन्मोत्सव के मुख्य पर्व पर सायंकाल 7 बजे एक ऐतिहासिक विशाल शाही महाआरती का आयोजन किया जाएगा। इस महाआरती की दिव्यता को बढ़ाने के लिए मन्दसौर के 151 ढोल, कोटा-बूंदी की सुरीली शहनाई और अजयमेरू के विशेष ढोल अपनी मंगलध्वनि बिखेरेंगे। साथ ही उज्जैन से विशेष रूप से बुलाई गई पुष्पवर्षा मशीनों, तोप, नगाड़ों और आकर्षक आतिशबाजी के बीच 501 कलाकारों के वादन के साथ 251 दीपकों से भगवान बालाजी की महाआरती उतारी जाएगी, जिसके उपरांत उपस्थित श्रद्धालुओं में महाप्रसाद का वितरण होगा। धार्मिक कार्यक्रमों की इसी श्रृंखला में 12 अप्रैल, शुक्रवार को प्रात: 11 बजे से शाम 4 बजे तक मंदिर परिसर में एक विशाल शाही महाभंडारे का आयोजन किया जाएगा, जिसमें हजारों श्रद्धालुओं की सहभागिता रहेगी।

सकल जैन समाज द्वारा श्री महावीर जन्मकल्याणक पर्व पंच दिवसीय कार्यक्रम 27 से 31 मार्च तक होंगे

मंदसौर। सकल जैन समाज के तत्वावधान में श्री महावीर स्वामी के जन्मकल्याणक पर्व पर पंच दिवसीय कार्यक्रम आगामी 27 मार्च से प्रारंभ होगे तथा 31 मार्च की उनकी पूणार्हुति होगी। इन सभी कार्यक्रमों के आयोजन की तैयारियां चल रही हैं। सकल जैन समाज की प्रतिनिधि सभा की बैठक के उपरान्त वीरपुत्र जयम, युवा प्रकोष्ठ, महिला प्रकोष्ठ आदि इकाइयों की बैठकें भी हो चुकी हैं।

सकल जैन समाज के अध्यक्ष लोकेन्द्र जैन, संयोजक सुरेन्द्र लोढा, निवृत्तमान अध्यक्ष जयकुमार बडजात्या, उपसंयोजक अशोक कुमार मारु, संजय मुरडिया, अरविन्द मेहता, महामंत्री शेखर कासमा, मनीष सेठी, प्रताप कोठारी तथा कोषाध्यक्ष अनिल जैन नगरीवाला, प्रवक्ता विजयेन्द्र फाफरिया ने बताया कि पांच दिवसीय कार्यकम होंगे। ये विभिन्न जैन धर्म स्थलों लोढे साथ ओसवाल धर्मशाला, श्री महावीर द्वार पर भी होंगे। अंतिम दो दिन 30 व 31 मार्च के कार्यक्रम श्री रुद्राक्ष माहेश्वरी धर्मशाला नयापुरा रोड पर होंगे। इन दो दिनों में वाहन पार्किंग बालागंज स्कूल मैदान कालखेत पर रहेगी।

प्रवक्ता विजयेन्द्र फांफरिया ने बताया कि पांच दिवसीय आयोजन को सान्निध्य श्रमणसंघीय उपप्रवर्तक अरुण मुनिजी म. तथा सेवाभावी सुरेश मुनिजी म., महासती कस्तुर कुंवरजी मसा एवं चन्दनबालाजी म.सा आदि, महासती मणिप्रभजी ठाणा 6 तथा साध्वीजी विमलप्रभाश्रीजी म. प्रदान करेंगे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अचल चौधरी केन्द्रीय अध्यक्ष बीसा पोरवाल समाज जैन सेवा समाज तथा इसी के महासचिव श्री पंकज जैन (धार) होंगे। निश्चित कार्यक्रमों के अनुसार दिनांक 27 मार्च शुक्रवार को श्री नवकार महामंत्र जाप तथा ध्यान दिवस मनेगा। प्रात: 7 से 8 बजे तक योग गुरु श्री सुरेन्द्र जैन द्वारा विशेष नवकार ध्यान साधना। प्रात: 8 बजे से पूर्वान्ह 12 बजे तक नगर के सभी धर्मस्थलों पर नवकार मंत्र के जाप होंगे।

एक नजर ▶ डाइट में 1.86 करोड़ की लागत से ऑडिटोरियम निर्माण का किया भूमिपूजन

विद्यार्थी प्रदेश की पहचान बनें, देश का नाम रोशन करें : उप मुख्यमंत्री

मंदसौर। उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डाइट) मंदसौर में 1 करोड़ 86 लाख 27 हजार रुपए की लागत से बनने वाले सर्वसुविधायुक्त ऑडिटोरियम निर्माण कार्य का विधिवत भूमिपूजन किया।

इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती दुर्गा विजय पाटीदार, मंदसौर विधायक विपिन जैन, जिला योजना समिति सदस्य राजेश दीक्षित, पूर्व विधायक सिसोदिया, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती रमादेवी बंशीलाल गुर्जर, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्रीमती मनु प्रिया विनीत यादव सहित जनप्रतिनिधि, कलेक्टर श्रीमती अदिती गर्ग, अन्य प्रशासनिक अधिकारी, शिक्षक, विद्यार्थी एवं पत्रकार उपस्थित रहे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा ने कहा कि डाइट के विद्यार्थी प्रदेश की पहचान बनें और जिला, प्रदेश तथा देश का नाम रोशन करें। उन्होंने कहा कि संस्थान में ऑडिटोरियम की लंबे समय से आवश्यकता महसूस की जा रही थी, जिसके निर्माण से शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों को नया आयाम मिलेगा।

उन्होंने कहा कि मंदसौर का डाइट प्रदेश में अपनी विशिष्ट पहचान बना चुका है और इस नई सुविधा से इसकी प्रतिष्ठा और बढ़ेगी। उन्होंने विद्यार्थियों एवं उनके अभिभावकों को शुभकामनाएं देते हुए उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षकों का सम्मान भी किया।

उप मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि ऑडिटोरियम निर्माण में किसी भी प्रकार की कमी न रहे। यदि आवश्यकता हो तो संशोधित प्राक्कलन (रिवाइज एस्टीमेट) प्रस्तुत किया जाए, ताकि बेहतर गुणवत्ता के साथ कार्य पूर्ण हो सके।

इस अवसर पर राज्य स्तरीय ओलंपियाड में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र एवं शील्ड प्रदान कर सम्मानित किया गया।

नीमच

एक नजर में

जावद में नि:शुल्क नेत्र रोग, मोतियाबिंद जांच शिविर संपन्न, 31 नेत्र रोगियों ने लिया लाभ

नीमच। प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशानुसार प्रदेश एवं जिले में संकल्प से समाधान अभियान चलाया जा रहा हैं। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा के मार्गदर्शन में इस अभियान के तहत जिले में नेत्र चिकित्सा एवं मोतियाबिंद जांच शिविर आयोजित किया जा रहे हैं। इसी कड़ी में बुधवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जावद में मोतियाबिंद शिविर आयोजित किया गया। संकल्प से समाधान अभियान के तहत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जावद में शिविर आयोजित किया गया। नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉक्टर संगीता भारती ओर नेत्र सहायक दिलीप चंदेल ने सेवाएं प्रदान की। शिविर में कुल 31 मरीजों ने पंजीयन करवाया, जिसमें से 5 मरीजों को मोतियाबिंद आपरेशन के लिए चिन्हित किया गया। संकल्प से समाधान अभियान के तहत बुधवार को आयोजित इस नैत्र रोग जांच एवं मोतियाबिंद की जांच के नि:शल्क शिविर में मोतियाबिंद के 5 एवं 26 अन्य नेत्र रोगियों की जांच कर नि:शुल्क औषाधियां वितरित की गई।

मिशन न्यू इंडिया युवा मोर्चा ने किया पिछड़ा मोर्चा प्रदेश मंत्री बंलवत भाटी का सम्मान

नीमच। मिशन न्यू इंडिया के वरिष्ठ मार्गदर्शक युवा मोर्चा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री रोशन जी मंडलोई के निर्देश अनुसार सम्पूर्ण राष्ट्र में भारतीय जनता पार्टी के नव नियुक्त चूने गये सभी पदाधिकारियों को सम्मानित किया गया इसी कड़ी में मिशन न्यू इंडिया मध्यप्रदेश के प्रदेश संगठन महामंत्री चंद्रशेखर जायसवार के नेतृत्व में भाजपा पिछड़ा मोर्चा मध्य प्रदेश के प्रदेश मंत्री पद पर रतलाम जिले के कर्मठ जागरूक वरिष्ठ समाजसेवी एवं आमजन व पार्टी कार्यकर्ताओं के लिए निरंतर खड़े रहते हुए गरीब परिवारों को शासन प्रशासन की नित नई योजनाओं से अवगत कराते हुए उन सभी का लाभ दिलवा लाभान्वित कराने वाले श्री बंलवत जी भाटी रतलाम को उनके कार्यालय बस स्टैंड पहुंच कर मिशन न्यू इंडिया के उज्जैन संभाग अध्यक्ष भेरूलाल खदेड़ा, राजेश जी (डी पी ज्वेलर्स) रतलाम एवं कई पदाधिकारी कार्यकर्ता साथीगणो ने सनातन धर्म का प्रतीक केसरिया दुपट्टा गले में डाल पुष्प माला पहना मिठाई खिला सम्मानित किया। इस अवसर पर मिशन न्यू इंडिया मध्यप्रदेश के प्रदेश संगठन महामंत्री चंद्रशेखर जायसवार, उज्जैन संभाग अध्यक्ष भेरूलाल जी खदेड़ा, राजेश जी (डी पी ज्वेलर्स) रतलाम एवं सभी पार्टी कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी गण उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने अमृत सरोवर एवं तालाब गहरीकरण कार्यों का किया निरीक्षण

नीमच। कलेक्टर हिमांशु चंद्रा द्वारा बुधवार को जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जनभागीदारी से तालाबों की मिट्टी निकालकर तालाब गहरीकरण के लिए चिन्हित कार्यो और अमृत सरोवर निर्माण कार्यो का मौके पर निरीक्षण कर जायजा लिया। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ अमन वैष्णव, जनपद सीईओ आरीफ खान, सहायक यंत्री एवं उपयंत्री उपस्थित थे।

कलेक्टर हिमांशु चंद्रा ने बुधवार को नीमच विकासखण्ड के गांव ढोलपुरा में अंकुर उपवन में पौधारोपण कार्य का निरीक्षण किया और कार्य की सराहना की। उन्होने इस अंकुर उपवन के समीप ही नाले पर जनभागीदारी से बड़े तालाब निर्माण कार्य के स्थल का मौका मुआयना किया। कलेक्टर ने सरपंच एवं उपयंत्री को ढोलपुरा तालाब निर्माण में जनसहयोग से मिट्टी निकाल कर सड़क से लगी लंबी पाल बनाने और अच्छे बड़े जलाशय का निर्माण करवाने के निर्देश भी दिए।

कलेक्टर चंद्रा ने ढोलपुरा में 15 लाख की विधायक निधि से निर्माणाधीन सामुदायिक डोम निर्माण कार्य का निरीक्षण किया और डोम के फर्श पर डाली गई काली चूरी व मिट्टी पर काम्पेक्शन करवाने के निर्देश भी

सरपंच श्री गोपाल अहीर को दिए। कलेक्टर ने डोम के समीप गांव ढोलपुरा में इस साल निर्मित जलाशय का निरीक्षण किया। जलाशय में मगरमच्छ दिखने पर उन्होने वन विभाग को सूचित कर, इन मगरमच्छों का रेस्क्यू कर गांधी सागर जलाशय में छोड़ने के निर्देश भी दिए। इस जलाशय में काफी मात्रा में पानी भरा हुआ पाया गया है। कलेक्टर श्री चंद्रा ने थड़ोली में प्रस्तावित अमृत सरोवर के निर्माण स्थल का निरीक्षण किया और इस अमृत सरोवर का आकार बढ़ाकर बड़ा सरोवर निर्माण करने के निर्देश दिए। उन्होने अमृत सरोवर की पाल को ठीक करवाने के निर्देश भी दिए।

कलेक्टर ने ग्राम जावी में अमृत सरोवर (डग आउट) निर्माण कार्य का अवलोकन किया और इस डग आउट में जल भराव क्षमता व जल भराव की अवधि आदि की जानकारी ली तथा निर्देश दिए, कि इस तालाब के पानी का उपयोग मत्स्य पालन के लिए किया जाए। उन्होने जावी के डग आउट से ओर मिट्टी निकालकर उसे गहरा करने के निर्देश दिए, जिससे कि किसानों को खेतों के लिए मिट्टी मिल सके और डग आउट की जल भराव क्षमता भी बढ़ सके। कलेक्टर ने सेमली चंद्रावत में जनभागीदारी से पंचायत द्वारा निर्मित किए जा रहे तालाब एवं वेस्टवियर निर्माण कार्य का निरीक्षण कर कार्य की सराहना की।

उन्होने उपयंत्री को इस तालाब से सिंगोली रोड़ निर्माण के लिए ठेकेदार को मिट्टी ले जाने की अनुमति प्रदान करने की बात भी कही। साथ ही गहरीकरण के लिए पंचायत को भी मिट्टी किसानों के उपयोग के लिए ले जाने की अनुमति प्रदान करने की बात कही। कलेक्टर ने सेमली चंद्रावत जलाशय की वेस्टवियर के लेवल को चेक करने के निर्देश भी उपयंत्री को दिए।

पेंशनर्स का जोरदार विरोध प्रदर्शन, 'काला कानून' वापस लेने के लगे नारे

नीमच। जिले में पेंशनर्स संगठनों ने वित्त मंत्रालय द्वारा पारित पेंशन संबंधी कानून के खिलाफ बुधवार को जोरदार प्रदर्शन किया। अखिल भारतीय राज्य पेंशनर्स महासंघ के आवाहन और मध्यप्रदेश प्रमुख पेंशनर्स एसोसिएशन के नेतृत्व में पेंशनर्स कलेक्टर कार्यालय परिसर स्थित मंदिर प्रांगण में एकत्र हुए। सभी ने काली पट्टी बांधकर धरना दिया और अपने विरोध को जोरदार ढंग से व्यक्त किया।

पेंशनर्स का कहना है कि 25 मार्च 2025 को लोकसभा में पेश वित्त विधेयक, जो बाद में दोनों सदनों से पारित होकर 29 मार्च 2025 को अधिसूचित हुआ, उनके हितों के विपरीत है। उनका आरोप है कि इस कानून के लागू होने से भविष्य में पेंशन में किसी प्रकार की वृद्धि नहीं होगी, साथ ही पूर्व पेंशनर्स के साथ भेदभाव कर उनके लाभ समाप्त किए जा सकते हैं। पेंशनर्स ने यह भी चिंता जताई कि इस कानून के तहत उनके अधिकारों का हनन होने पर न्यायालय में चुनौती देना भी कठिन होगा।

धरना प्रदर्शन के बाद पेंशनर्स ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम संबोधित ज्ञापन कलेक्टर प्रतिनिधि को सौंपा, जिसमें मांग की गई कि उक्त कानून को तत्काल प्रभाव से वापस लिया जाए ताकि पेंशनर्स के हित सुरक्षित रह सकें। पेंशनर्स एसोसिएशन ने चेतावनी दी कि यदि सरकार इस दिशा में कोई सकारात्मक कदम नहीं उठाती है तो आंदोलन और तेज किया जाएगा। प्रदर्शन में बड़ी संख्या में पेंशनर्स शामिल रहे और सभी ने एकजुट होकर अपने अधिकारों की रक्षा की मांग उठाई।

एक नजर ▶ आदिवासी समुदाय का सड़क पर चक्का जाम, पुलिस ने संभाला मोर्चा—सीएमओ बोलीं, जांच के बाद होगी कार्रवाई

नीमच नगरपालिका अधिकारी पर 15 हजार रिश्वत का आरोप

नीमच। नगर पालिका द्वारा चलाए जा रहे अतिक्रमण हटाओ अभियान के विरोध में बुधवार को आदिवासी समुदाय के लोगों ने जोरदार प्रदर्शन किया।

जयस और अन्य आदिवासी संगठनों के बैनर तले बड़ी संख्या में लोग नीमच नगर पालिका कार्यालय पहुंचे और नारेबाजी करते हुए धरना दिया। प्रदर्शनकारियों ने महेश भील के समर्थन में नगर पालिका के कर्मचारी आरओ संजय पाटीदार पर रिश्वत मांगने के गंभीर आरोप लगाए। महेश भील ने आरोप लगाया कि उससे 15,000 रुपए की मांग की गई और

राशि न देने पर किलेश्वर मंदिर रोड स्थित उनकी गुमटी को हटाया गया, जबकि आसपास के अन्य लोगों पर कोई कार्रवाई नहीं की गई। बुधवार को प्रदर्शनकारी नगरपालिका कार्यालय परिसर में ही धरने पर बैठे, जहां नगर पालिका सीएमओ दुर्गा बामनिया मौके पर पहुंचीं और समझाइश दी। उन्होंने कहा कि अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई सभी के लिए समान रूप से की जा रही है और यदि आरोपों के समर्थन में कोई प्रमाण मिलते हैं तो उचित कार्रवाई की जाएगी।

इसके बावजूद प्रदर्शनकारी शांत नहीं हुए और नगरपालिका के बहार सड़क पर बैठकर चक्का जाम कर दिया। चक्का जाम की सूचना मिलते ही केंट थाना टीआई सौरभ शर्मा, सीएसपी किरण चौहान और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नवल सिंह सिसोदिया पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। अधिकारियों की समझाइश के बाद प्रदर्शनकारी सड़क से हटे और मार्ग पुन: खोला गया। वही इस पुरे मामले में सीएमओ दुर्गा बामनिया ने कहा कि अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई नियमों के तहत की जा रही है और यदि किसी कर्मचारी पर आरोप साबित होते हैं तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।